भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4581 का उत्तर

अकबरपुर रेलवे स्टेशन का विकास

4581. श्री लालजी वर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि के लिए इसे विकसित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का उक्त स्टेशन के प्लेटफार्म-तीन को मुख्य सड़क से जोड़ने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख) उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित अंबेडकर नगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अकबरपुर स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं:

- **नया स्टेशन भवन,**
- **बरामदों का विकास,**

- **परिचलन क्षेत्र का सुधार,**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास,**
- **6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल,**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह का सुधार,**
- **प्लेटफ़ॉर्म शेल्टरों का विस्तार,**
- **शौचालय ब्लॉक**
- **यात्रियों के लिए पानी के बूथ आदि।**

साइनेज, समर्पित पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, स्पर्शनीय मार्ग सहित दिव्यांगजन सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और प्लेटफ़ॉर्म पंखे आदि का कार्य शुरू हो चुका है।

अकबरपुर स्टेशन पर स्टेशन को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली पहुँच सड़क पहले से ही मौजूद है।

ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों के सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन शामिल है। मास्टर प्लान तैयार करने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन तक पहुँच और परिचलन क्षेत्र में सुधार**
- **स्टेशन को शहर के दोनों हिस्सों से एकीकृत करना**
- **स्टेशन भवन में सुधार**

- **प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैम्प का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।**

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित पटरियों आदि का प्रावधान तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित अकबरपुर स्टेशन सहित 157 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य में इस योजना के अंतर्गत चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों का नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जंक्शन, अकबरपुर

		जंक्शन, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जंक्शन, आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्बी, चोपन, चुनार जंक्शन, डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जंक्शन, फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरसनरोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग), लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मरियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई,

		पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पुखरायाँ, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेटिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी शहर, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जफराबाद

उत्तर प्रदेश राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। इस योजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में अब तक 20 स्टेशनों (अयोध्या धाम, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनोर, फतेहाबाद, गोला गोकर्णनाथ गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह, आगरा जं., इज्जतनगर, मैलानी, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) के चरण-1 के कार्य पूरे हो चुके हैं।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू कर दिए गए हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- मोदीनगर स्टेशन: स्टेशन भवन एलिवेशन में सुधार, प्रतीक्षालय और शौचालयों में सुधार, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर से संबंधित निर्माण कार्य पूरा हो

चुका है और भवन, प्लेटफ़ॉर्म की सतह, संकेतक जैसे छोटे-मोटे फिनिशिंग कार्य, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार से संबंधित कार्य शुरू किए गए हैं।

- सीतापुर जंक्शन स्टेशन: पुराने स्टेशन भवन के अग्रभाग, प्लेटफ़ॉर्म के फर्श संबंधी कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र की चारदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और नए स्टेशन भवन की नींव, पे एंड यूज़ शौचालय का नवीनीकरण, परिचलन क्षेत्र सड़क, पार्किंग आदि का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

- लखनऊ (चारबाग) स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार स्टेशन भवन, यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई) रनिंग हॉस्टल, भंडार डिपो का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और चिनाई सहित अन्य फिनिशिंग कार्य, कॉनकोर्स, पैदल पार पुल, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र, मुख्य प्रवेश द्वार के बाहरी विकास और प्लेटफार्म संख्या 10/11 का कार्य शुरू किया गया है।

- प्रयागराज जंक्शन स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार, रेल डाक सेवा एवं आगमन, पार्सल एवं आगमन भवन और द्वितीय प्रवेश द्वार पर बेसमेंट प्लाजा, विद्युत सबस्टेशन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और इन संरचनाओं का फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। पैदल पार पुल संख्या 2 का विस्तार कार्य पूरा हो चुका है। रूफ प्लाजा और स्थानांतरित संरचनाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, पैदल पार पुल की नींव का कार्य, रूफ प्लाजा, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर विद्युत सबस्टेशन, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

निधि का आबंटन:

भारतीय रेल यात्रियों को उन्नत एवं आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में, रेल मंत्रालय ने ग्राहक सुविधाओं के उन्नयन हेतु पहले की तुलना में भारी निवेश किया है। 2004-14, 2014-25 और 2025-26 के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत व्यय निम्नानुसार है:

अवधि	योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत व्यय
2004-14	₹ 6,733 करोड़
2014-25	₹ 35,591 करोड़
2025-26 (जुलाई, 2025 तक)	₹ 3,701 करोड़

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत निधि आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व

मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन जोनों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹4,358 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2025 तक) ₹1213 करोड़ का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति आदि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं किया जा सकता है।

******